अध्याय
03

उपभोक्तावाद की संस्कृति

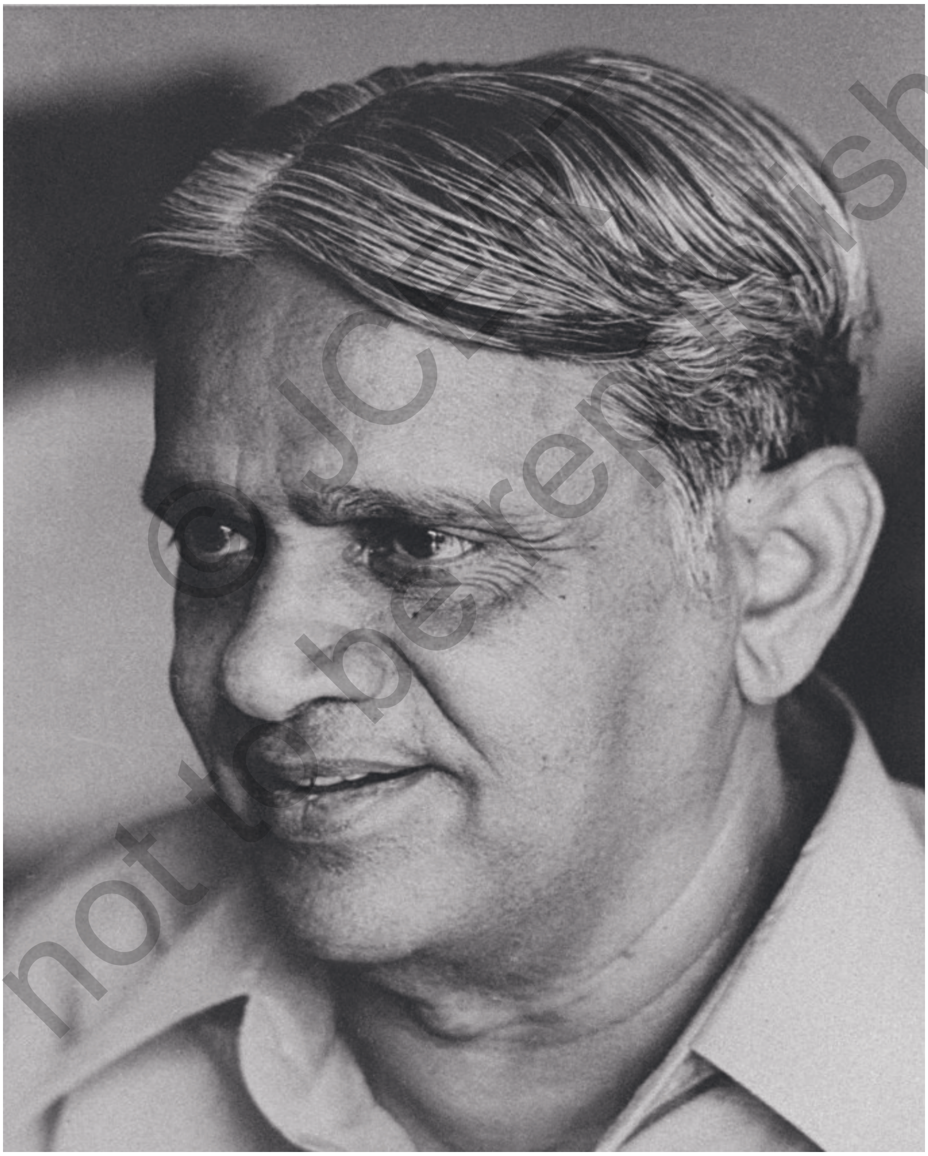

नाम–श्यामाचरण दुबे

पाठ की विधा-निबंध

लेखक-परिचय

लेखक-परिचय
- नाम- श्यामाचरण दुबे
- जन्म- 1922
- जन्म स्थान- मध्य प्रदेश
- क्षेत्र- बुंदेलखंड

साहित्यिक-विशेषताएं- श्यामाचरण दुबे जी की रचना संस्कृति की ज्वलंत विषयों पर केंद्रित है। जनजाति और ग्रामीण समुदाय भी इनके लेख का प्रमुख हिस्सा रहा है।

प्रमुख रचना- मानव और संस्कृति, भारतीय ग्राम, संक्रमण की पीड़ा, समाज और भविष्य।

भाषा शैली- हिंदी, अंग्रेजी तथा उर्दू के शब्दों का प्रयोग इन्होंने अपनी रचनाओं में किया है।

पाठ-परिचय

प्रस्तुत पाठ श्यामा चरण दुबे जी द्वारा रचित एक लेख है इस लेख का शीर्षक उपभोक्तावाद की संस्कृति है।

संस्कृति शब्द को हम लोगों ने कई बार सुना है, लेकिन उपभोक्तावाद की संस्कृति एक नई शब्द है। लेखक इस शब्द का प्रयोग क्यों कर रहे हैं आइए इसे समझने की कोशिश करते है-

1. भारत में पनपती नई संस्कृति- हमारा देश कई वर्षों तक गुलामी के साथ-साथ उपनिवेशवाद को झेला है, लेकिन हमने कभी भी सांस्कृतिक या बौद्धिक दासता को स्वीकार नहीं किया ।

किंतु आज हम बड़ी तेजी से अपने सारे अच्छे मापदंडों को बिसराते (भूलते) जा रहे हैं आज हमारे देश में एक नई संस्कृति पनप रही है जिसे लेखक उपभोक्तावाद की संस्कृति का नाम देते हैं ।

2. परंपराओं का अवमूल्यन- उपभोक्ता वाद का अर्थ - एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था जिसमें उपभोग करने की वरीयता (ऊंचा स्थान) दी जाती है यह संस्कृति हमें बीना सोचें समझे उपभोग के माध्यम से खुशी और इच्छा-पूर्ति की तलाश करने के लिए प्रेरित करती है। लेखक इससे बचने की आवश्यकता पर बल देते हैं। लेखक का मानना है कि हमारा देश नैतिक मूल्यों पर केंद्रित देश है ना की इच्छा-पूति और प्रदर्शन पर केंद्रित देश।

3. उपभोक्तावाद की संस्कृति से उत्पन्न समस्या- को हम लोग इस प्रकार से देख सकते हैं -

© JCERT not to be republished

उपभोक्तावाद की संस्कृति से उत्पन्न समस्या

- मानव चरित्र में बदलाव
- पशिचमी देशों का अनुकरण
- प्रदर्शन पूर्ण आचरण
- अशांति और असामान्य

शब्दार्थ

बुटिक- सामान बेचने वाला छोटा सा स्टोर।

ट्रेंडी- चलन में

ब्रांड- कंपनी द्वारा उत्पाद (वस्तु) का नाम

सामंती- जागीरदारी, जमीनदारी

तुष्टि- संतुष्ट करना

कब्र- शव को दफनाने हेतु (के लिए) खोदा गया गड्ढा

छद्म- बनावटी

उपनिवेश- अन्य स्थान से आए हुए लोगों की बस्ती।

इन्हें भी जाने

संसाधन-ऐसा स्रोत जिसका उपयोग मनुष्य अपने इच्छाओं की पूर्ति के लिए करता है।

पांच सितारा- सबसे अच्छा

अभिजात्य वर्ग- शक्तिशाली लोग

प्रतिष्ठित-सम्मानित

वर्तनी संबंधित कुछ अभ्यास

इ की मात्रा- विज्ञापन, चरित्र, संस्कृति, डिजाइन, शिक्षा।

व्यक्तित्व।

ई की मात्रा- छोटी, संगीत, जीवन, पसीना, कीमती, खड़की, खरीदना, बीमार।

उ की मात्रा- अनुकरण, साबुन, गुणवत्ता, सुख, सुविधा, बुटीक।

ऊ की मात्रा- फूल, सूची, यूरोप, झूठा, आलू, कंप्यूटर, म्यूजिक, स्कूल, मूल्य, मसूड़ा, पूर्ण।

- ि (इ)
- ी (ई)
- ु (उ)
- ू (ऊ)

© JCERT not to be republished

अति लघुत्तरीय प्रश्न

१ उपभोक्ता वाद की संस्कृति के रचनाकार कौन है?

उत्तर- श्यामाचरण दुबे।

२- आज के दौर (समय) में हमारा बाजार किस से प्रभावित हो रहा है?

उत्तर- विज्ञापन की चमक-दमक से।

३ बाजार किससे भरा पड़ा है?

उत्तर- विलासिता की सामग्रियों से।

४- माज में हमारी हैसियत किससे मापी जाती है?

उत्तर- हमारे दिखावे से।

५- सामान्य जन किन्हें ललचाई निगाहों (नजर) से देख रहे हैं?

उत्तर- विशिष्ट जन के समाज को।

६- 'उत्पाद तो आपके लिए है' पंक्ति किस पाठ से ली गई है?

उत्तर - उपभोक्तावाद की संस्कृति से।

७- क्या उपभोक्तावाद की संस्कृति भारत में विकसित हो रही है?

उत्तर - हां।

८- कौन सी संस्कृति भारत में पहले से ही विद्यमान (पाया जाना)थी?

उत्तर -सांमति संस्कृति।

९- उनकी दृष्टि में, एक विज्ञापन की भाषा में, यही है राइट च्वाइस बेबी यह पंक्तिकिस पाठ से ली गई है?

उत्तर- उपभोक्तावाद की संस्कृति से।

१०- अवमूल्यन का अर्थ बताएं?

उत्तर- मूल्य को गिरा देना।

११- हमारे नैतिकता का अवमूल्यन क्यों हो रहा है?

उत्तर- उपभोक्तावाद के प्रसार (फैलना) के कारण।

१२- हमारा देश क्या स्वीकार करते जा रहा है?

उत्तर- बौद्धिक दासता को।

टिप्पणी- बौद्धिक-दासता का यह अर्थ है कि दूसरे व्यक्ति को अपने आप से ज्यादा बुद्धिमान समझना और उसकी बातों को ज्यों का त्यों मान लेना।

१३- हम आधुनिकता के किस प्रतिमान को अपनाते जा रहे हैं?

उत्तर -झूठे प्रतिमान(प्रतिबिंब, परछाई) को।

१४- हमारा देश क्या बनते जा रहा है?

उत्तर -पश्चिमी देशों की संस्कृतिक उपनिवेश।

टिप्पणी -हमारा देश पश्चिमी देशों की आर्थिक उपनिवेश अवश्य बनी पर संस्कृतिक

© JCERT not to be republished

उपनिवेश बनने से हमेशा बचा रहा किंतु उपभोक्तावाद की संस्कृति ने सब कुछ बदल दिया।

१६- हम दिग्भ्रमित (दिशाहीन होना) क्यों होते जा रहे हैं?

उत्तर- अनुकरण (नकल) के कारण।

१७- हमारे किन संसाधनों का घोर (अधिक) अपव्यय (खर्च) हो रहा है?

उत्तर -सीमित संसाधनों का।

१८- 'जीवन की गुणवत्ता आलू के चिप्स से नहीं सुधरती ना बहु विज्ञापित शीतल पेयों से' ये पंक्तियां किस पाठ से ली गई है?

उत्तर -उपभोक्तावाद की संस्कृति से।

१९- 'पीजा और बर्गर कितनी ही आधुनिक हों, हैं वे कूड़ा खाद्य' 'यह पंक्ति किस पाठ से ली गई है?

उत्तर -उपभोक्तावाद की संस्कृति से।

२०- आज समाज में आक्रोश (गुस्सा) और अशांति क्यों जन्म ले रहा है?

उत्तर- समाज में वर्गों की दूरी बढ़ जाने के कारण।

टिप्पणी-दिखावे के कारण समाज में अंतर बढ़ते जा रहा है जीवन शैली में विभिनता होने के कारण लोग एक दूसरे से दूरी बनाते जा रहें हैं

२१- क्या गांधी जी उपभोक्तावाद संस्कृति के खिलाफ में थे?

उत्तर -हां।

२२- गांधी जी ने कैसी संस्कृति अपनाने की सलाह दी थी?

उत्तर- स्वस्थ संस्कृति।

२३- उपभोक्ता वाद की संस्कृति को लेखक ने भविष्य के लिए क्या माना है?

उत्तर - गंभीर चुनौती।

२५- पांच सितारा अस्पताल में इलाज कराना किस बात का प्रतीक है?

उत्तर -प्रदर्शन (दिखावा) पूर्ण आचरण का।

२६- लेखक विज्ञापन को क्या मानते है?

उत्तर वशीकरण (वश में करने वाला) करने वाला तंत्र (जाल)।

२७- उपभोक्तवाद की संस्कृति किस विधा (प्रकार) की रचना है?

उत्तर -निबंध।

२८- 'गांधी जी ने कहा था कि हम स्वस्थ सांस्कृतिक प्रभावों के लिए अपने दरवाज़े -खिड़की खुले रखें पर अपनी बुनियाद पर कायम रहें' यह पंक्तिकिस पाठ से ली गई है

उत्तर- उपभोक्तवाद की संस्कृति पाठ से ली गई है।

२९- बुनियाद का अर्थ बताएं?

उत्तर -नींव, जड़।

३०- उपभोक्ता का अर्थ क्या है?

उत्तर -उपभोग करने वाला।

© JCERT not to be republished

३१ आज के समाज में कीमती ब्रांड खरीदना किसका प्रतीक माना जाता है?

उत्तर - प्रतिष्ठित-(सम्मान) का।

३२- हैसियत का अर्थ बताएं ?

उत्तर - इज्जत, प्रतिष्ठित, रुतबा।

३३- 'छोड़िए इस सामग्री को वस्तु और परिधान की दुनिया में आइए' यह यह पंक्ति किस पाठ से ली गई है?

उत्तर -उपभोक्तावाद की संस्कृति।

३४- आलू के चिप्स, शीतल पेय, पिज्जा और बर्गर क्या हमें दैनिक आहार में शामिल करना चाहिए?

उत्तर - नहीं।

टिप्पणी- ये सभी खाद्य पदार्थ कूड़ा खाद्य माने जाते हैं।

३५- हमारा स्वार्थ किस पर हावी (भारी पड़ना) होते जा रहा है?

उत्तर- हमारे परमार्थ (दूसरों का उपकार करने वाला) पर।

लघु उत्तरीय प्रश्न

१- जगह-जगह बुटीक खुल गए हैं, नए-नए डिज़ाइन परिधान बाज़ार में आ गए हैं यह पंक्ति किस पाठ से ली गई है इसके रचनाकार का नाम बताएं?

उत्तर- पाठ का नाम उपभोक्तावाद की संस्कृति और रचनाकार का नाम श्यामाचरण दुबे है।

२- 'यह ट्रेंडी हैं और महंगे भी पिछले वर्ष का फ़ैशन इस वर्ष? शर्म की बात है'। यह पंक्ति किस पाठ से ली गई है इसके रचनाकार का नाम बताएं?

उत्तर- पाठ का नाम 'उपभोक्तावाद' की संस्कृति एवं रचनाकार का नाम श्यामाचरण दुबे है।

३- हैसियत जताने के लिए लोग आज क्या-क्या करते हैं?

उत्तर- अपनी हैसियत दिखाने के लिए लोग महंगी और अनावश्यक वस्तुओं को खरीदते हैं, पांच सितारा होटल में खाना, विवाह और इलाज तक करवाते हैं।

४- सामान्य जन विशिष्ट जन के समाज को ललचाई निगाहों से क्यों देखते हैं?

उत्तर- विशिष्ट जनों का जीवन शैली उच्च कोटि का होने के कारण सामान्य जन उनका अनुकरण कर प्रतिष्ठा प्राप्त करने की चाहता रखते हैं।

५- उपभोक्तावाद की संस्कृति का विकास भारत में क्यों हो रहा है?

उत्तर- उपभोक्ता वाद की संस्कृति भारत में बड़ी तेजी से फैल रही है, क्योंकि इच्छा-पूर्ति और उपभोग की मानसिकता भारतीय लोगों ने अपना लिया है।

© JCERT not to be republished

६- हमारी संस्कृति किस प्रकार की संस्कृति बन गई है?

उत्तर- अनुकरण की संस्कृति बन गई है।

७- सामंती संस्कृति के तत्व भारत में पहले भी रहे हैं इस वाक्य का अर्थ स्पष्ट करें।

उत्तर- भारत में सामंती लोग अर्थात पैसे वाले लोगों का सदैव से बोलबाला रहा है उनकी जीवनशैली में उपभोग का स्थान विशेष रहा है यह लोग उपभोक्तावाद की संस्कृति को बढ़ाने में हमेशा से सहायक रहे हैं।

८- सामंत बदल गए हैं, सामंती संस्कृति का मुहावरा बदल गया है इस कथन का आशय बताएं?

उत्तर- पश्चिमी देश आज हमारे सामंत है और उनकी संस्कृति का हम लोग अनुकरण कर रहे हैं।

९- व्यक्ति-केंद्रीयता बढ़ रही है, स्वार्थ परमार्थ पर हावी हो रहा है इस कथन का आशय स्पष्ट करें।

उत्तर- इस कथन का आशय (अर्थ) यह है कि लोग अब दूसरे के बारे में नहीं सोच कर अपने आप के बारे में सोचने लगे हैं।

१०- स्वस्थ सांस्कृतिक प्रभावों के लिए अपने दरवाजे खिड़की खुले रखें पर अपने बुनियाद पर कायम रहे ऐसा गांधी जी ने क्यों कहा था?

उत्तर- अच्छी और आवश्यकतानुसार दूसरों की संस्कृति को हमें अवश्य अपनाना चाहिए क्योंकि इससे उन्नति का मार्ग खुलता है परंतु अपनी संस्कृति को भी नहीं भुलाना चाहिए क्योंकि यह हमारे उन्नति में हमेशा से सहायक रहा है।

११- उपभोक्तावाद की संस्कृति भविष्य के लिए एक बड़ी चुनौती है कैसे?

उत्तर- उपभोक्तावाद की संस्कृति भविष्य के लिए बड़ी चुनौती है क्योंकि इस संस्कृति से समाज में अशांति और असमानता बढ़ेगी, प्रदर्शन पूर्ण आचरण में बढ़ोतरी होगी, मानव चरित्र में बदलाव की संभावना बढ़ेगी और नैतिकता में कमी आएगी।

१२- उपभोक्तावाद की-संस्कृति के संदर्भ में झूठी तुष्टि (संतुष्ट) का अर्थ बताएं?

उत्तर- जो उत्पाद हमारे काम का नहीं है हम लोग उसे दिखावे के चक्कर में खरीद लेते है और जबरदस्ती उसके हिसाब से अपने आप को फिट (ढालने) करने की कोशिश करते हैं और यह मान लेते हैं कि इस उत्पाद से हम संतुष्ट हैं।

© JCERT not to be republished

प्रश्न –अभ्यास

१- लेखक के अनुसार जीवन में 'सुख' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर- उत्पाद का भोग करना और इच्छापूर्ति को पूर्ण करना ही लेखक के अनुसार सुख का अभिप्राय है।

२- आज की उपभोक्तावादी संस्कृति हमारे दैनिक जीवन को किस प्रकार प्रभावित कर रही है?

उत्तर- आज उपभोक्तावाद की संस्कृति हमारे दैनिक जीवन को निम्नलिखित प्रकार से प्रभावित कर रही है-

१- उपभोग की वस्तुओं को लोग प्रतिष्ठा का विषय बना रहे हैं।

२- इच्छा पूर्ति करने के चक्कर में लोग समाज से दूरी बना रहे हैं।

३- झूठी तुष्टि (संतोष) में फंसकर लोग अपना नुकसान कर रहे हैं।

प्रश्न (३) गांधी जी ने उपभोक्ता संस्कृति को हमारे समाज के लिए चुनौती क्यों कहा है?

उत्तर- उपभोक्तावाद का सबसे बड़ा अंग दिखावा है। लोग दिखावे के चक्कर में एक दूसरे से दूर होते जा रहे हैं परिणाम स्वरूप समाज में अशांति और विषमता फैलते जा रही है।

प्रश्न ४) आशय स्पष्ट कीजिए-

(क) जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।

(ख) प्रतिष्ठा के अनेक रूप होते हैं, चाहे वे हास्यास्पद ही क्यों न हो।

उत्तर-

(क) किसी भी उत्पाद को खरीदते समय दो बातों का होना अनिवार्य (आवश्यक) है- १) आवश्यकता एवं २) गुणवता किंतु हम लोग इसे नजर अंदाज करके उस उत्पाद को ले लेते हैं जो हमारे काम की नहीं है, परंतु हम अपने चरित्र को ही उस उत्पाद के हिसाब से बदल लेते हैं।

उत्तर

(ख) उपयुक्त कथन का आशय यह है की प्रतिष्ठा पाने के लिए लोग ऐसे काम कर जाते हैं जो समाज में हंसी का विषय बन जाता है जैसे- अमेरिका और यूरोप के देशों में मरने के पहले ही कब्र का प्रबंध कर लिया जाता है।

© JCERT not to be republished

बहुविकल्पी प्रश्न उत्तर

१. 'उपभोक्तावाद की संस्कृति' के रचनाकार कौन है?

क) यशपाल

ख) मधु कांकरिया

ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी

घ) श्यामाचरण दुबे

उत्तर-घ) श्यामाचरण दुबे।

२. आज के दौर (समय) में हमारा बाजार किस से प्रभावित हो रहा है?

क) शिक्षा से

ख) किताबों से

ग) विज्ञापन की चमक दमक से

घ) लोगों से

उत्तर-ग) विज्ञापन की चमक-दमक से।

३. बाजार किससे भरा पड़ा है?

क) शिक्षा से

ख) किताबों

ग) लोगों से

घ) विलासिता की सामग्रियों से।

उत्तर-घ) विलासिता की सामग्रियों से।

४. समाज में हमारी हैसियत किससे मापी जाती है?

क) शिक्षा से

ख) व्यवहार से

ग) हमारे दिखावे से

घ) घर से

उत्तर-ग) हमारे दिखावे से।

५. सामान्यजन किन्हें ललचाई निगाहों (नजर) से देख रहे हैं?

क) ऊंचे घरानों को

ख) विशिष्ट जन के समाज को

ग) दिखावे की समाज को

घ) नैतिक मूल्यों को

उत्तर-ख) विशिष्ट जन के समाज को।

६. 'उत्पाद तो आपके लिए है' पंक्ति किस पाठ से ली गई है?

क) ल्हासा की ओर

ख) दो बैलों की कथा।

ग) उपभोक्तावाद की संस्कृति

घ) बादल राग।

उत्तर-ग) उपभोक्तावाद की संस्कृति से।

७. क्या उपभोक्तावाद की संस्कृति भारत में विकसित हो रही है?

क) नहीं ख) पता नहीं

ग) शायद नहीं घ) हां

उत्तर-घ) हां

© JCERT not to be republished

८. कौन सी संस्कृति भारत में पहले से ही विद्यमान (पाया जाना) थी?

क) नैतिक संस्कृति

ख) सांमति संस्कृति।

ग) ढकोसले की संस्कृति

घ) दिखावे की संस्कृति

उत्तर-ख) सांमति संस्कृति।

९. 'उनकी दृष्टि में, एक विज्ञापन की भाषा में, यही है राइट च्वाइस बेबी' यह पंक्ति किस पाठ से ली गई है?

क) ल्हासा की ओर।

ख) दो बैलों की कथा।

ग) उपभोक्तावाद की संस्कृति।

घ) बादल राग।

उत्तर-ग) उपभोक्तावाद की संस्कृति से।

१०. अवमूल्यन का अर्थ बताएं?

क) मूल्य को बढ़ा देना

ख) शिक्षा में बढ़ावा

ग) जीवन स्तर में बढ़ावा

घ) मूल्य को गिरा देना

उत्तर-घ) मूल्य को गिरा देना।

११. हमारे नैतिकता का अवमूल्यन क्यों हो रहा है?

क) शिक्षा के कारण।

ख) संस्कार के कारण।

ग) उपभोक्तावाद के प्रसार के कारण।

घ) विकास के कारण।

उत्तर-ग) उपभोक्तावाद के प्रसार (फैलना) के कारण।

१२. हमारा देश क्या स्वीकार करते जा रहा है?

क) सच्चे प्रतिमान को

ख) आदर्श प्रतिमान को

ग) झूठे प्रतिमान को

घ) बौद्धिक दासता को।

उत्तर-घ) बौद्धिक दासता को।

टिप्पणी- बौद्धिक-दासता का यह अर्थ है कि दूसरे व्यक्ति को अपने आप से ज्यादा बुद्धिमान समझना और उसकी बातों को ज्यों का त्यों मान लेना।

१३. हम आधुनिकता के किस प्रतिमान को अपनाते जा रहे हैं?

क) सच्चे प्रतिमान को

ख) आदर्श प्रतिमान को

ग) झूठे प्रतिमान को

घ) शिक्षा के प्रतिमान को

उत्तर-ग) झूठे प्रतिमान (प्रतिबिंब, परछाई) को।

१४. हमारा देश क्या बनते जा रहा है?

क) शिक्षा का गढ़।

ख) विश्व गुरु।

© JCERT not to be republished

ग) पश्चिमी देशों की सांस्कृतिक उपनिवेश।

घ) आदर्श देश।

उत्तर-ग) पश्चिमी देशों की संस्कृतिक उपनिवेश।

टिप्पणी- हमारा देश पश्चिमी देशों की आर्थिक उपनिवेश अवश्य बनी पर संस्कृतिक उपनिवेश बनने से हमेशा बचा रहा किंतु उपभोक्तावाद की संस्कृति ने सब कुछ बदल दिया।

१६. हम दिग्भ्रमित (दिशाहीन होना) क्यों होते जा रहे हैं?

क) स्वाधीनता के कारण

ख) उचित संस्कार के कारण

ग) अनुकरण के कारण

घ) व्यवहार पूर्ण आचरण के कारण

उत्तर-ग) अनुकरण (नकल) के कारण।

१७. हमारे किन संसाधनों का घोर (अधिक) अपव्यय (खर्च) हो रहा है?

क) विशाल संसाधनों का

ख) सीमित संसाधनों का

ग) भविष्य के संसाधनों का

घ) आंतरिक संसाधनों का

उत्तर-ख) सीमित संसाधनों का।

१८. 'जीवन की गुणवत्ता आलू के चिप्स से नहीं सुधरती ना बहु विज्ञापित शीतल पेयों से' ये पंक्तियां किस पाठ से ली गई है?

क) यमराज की दिशा

ख) ल्हासा की ओर

ग) माटी वाली

घ) उपभोक्तावाद की संस्कृति

उत्तर-घ) उपभोक्तावाद की संस्कृति

१९. 'पीजा और बर्गर कितनी ही आधुनिक हों, हैं वे कूड़ा खाद्य' यह पंक्ति किस पाठ से ली गई है?

क) ल्हासा की ओर।

ख) दो बैलों की कथा।

ग) उपभोक्तावाद की संस्कृति।

घ) बादल राग।

उत्तर-ग) उपभोक्तावाद की संस्कृति से।

२०. आज समाज में आक्रोश (गुस्सा) और अशांति क्यों जन्म ले रहा है?

क) एकता के कारण

ख) समाज में दूरी कम हो जाने के कारण

ग) नैतिकता बढ़ जाने के कारण

घ) समाज में वर्गों की दूरी बढ़ जाने के कारण।

उत्तर-घ) समाज में वर्गों की दूरी बढ़ जाने के कारण।

© JCERT not to be republished

टिप्पणी– दिखावे के कारण समाज में अंतर बढ़ते जा रहा है जीवन शैली में विभिनता होने के कारण लोग एक दूसरे से दूरी बनाते जा रहें हैं।

२१. क्या गांधी जी उपभोक्तावाद संस्कृति के खिलाफ में थे?

क) नहीं ख) पता नहीं

ग) शायद नहीं घ) हां

उत्तर–घ) हां।

२२. गांधी जी ने कैसी संस्कृति अपनाने की सलाह दी थी?

क) दिखावे की संस्कृति

ख) ढकोसला पन की संस्कृति

ग) स्वस्थ संस्कृति

घ) सामंती संस्कृति

उत्तर–ग) स्वस्थ संस्कृति

२३. उपभोक्ता वाद की संस्कृति को लेखक ने भविष्य के लिए क्या माना है?

क) उचित

ख) शांति का प्रतीक

ग) शिक्षा का प्रतीक

घ) गंभीर चुनौती

उत्तर–घ) गंभीर चुनौती।

२५. पांच सितारा अस्पताल में इलाज कराना किस बात का प्रतीक है?

क) सुंदर आचरण का

ख) व्यवहार पूर्ण आचरण का

ग) प्रदर्शन (दिखावा) पूर्ण आचरण का।

घ) बुद्धि पूर्ण आचरण का

उत्तर–ग) प्रदर्शन (दिखावा) पूर्ण आचरण का।

२६. लेखक विज्ञापन को क्या मानते है?

क) खाने की वस्तु

ख) पढ़ने की सामग्री

ग) धन दौलत का साधन

घ) वश करने वाला तंत्र

उत्तर–घ) वश करने वाला तंत्र

टिप्पणी– वशीकरण (वश में करने वाला) करने वाला तंत्र (जाल)।

२७. 'उपभोक्तवाद की संस्कृति' किस विधा (प्रकार) की रचना है?

क) कहानी ख) नाटक

ग) निबंध घ) कविता

उत्तर–ग) निबंध

२८. 'गांधी जी ने कहा था कि हम स्वस्थ सांस्कृतिक प्रभावों के लिए अपने दरवाज़े –खिड़की खुले रखें पर अपनी बुनियाद पर कायम रहें' यह पंक्ति किस पाठ से ली गई है?

क) ल्हासा की ओर।

ख) दो बैलों की कथा।

ग) उपभोक्तावाद की संस्कृति।

घ) बादल राग।

© JCERT not to be republished

उत्तर-ग) उपभोक्तवाद की संस्कृति पाठ से ली गई है।

२९. बुनियाद का अर्थ बताएं?

क) घर ख) दरवाजा

ग) जमीन घ) नींव,जड़

उत्तर-घ) नींव, जड़

३०. उपभोक्ता का अर्थ क्या है?

क) भोजन करने वाला

ख) सोने वाला

ग) उपभोग करने वाला।

घ) पढ़ने वाला

उत्तर-ग) उपभोग करने वाला।

३१. आज के समाज में कीमती ब्रांड खरीदना किसका प्रतीक माना जाता है?

क) दुश्मनी

ख) दोस्ती

ग) मेहमान नवाजी

घ) प्रतिष्ठा-(सम्मान) का।

उत्तर-घ) प्रतिष्ठा-(सम्मान) का।

३२. हैसियत का अर्थ बताएं ?

क) दुश्मनी

ख) दोस्ती

ग) मेहमान नवाजी

घ) इज्जत (प्रतिष्ठा, रुतबा)।

उत्तर-घ) इज्जत, (प्रतिष्ठा, रुतबा)।

३३. 'छोड़िए इस सामग्री को वस्तु और परिधान की दुनिया में आइए' यह पंक्ति किस पाठ से ली गई है?

क) ल्हासा की ओर

ख) दो बैलों की कथा

ग) उपभोक्तावाद की संस्कृति

घ) बादल राग

उत्तर-ग) उपभोक्तावाद की संस्कृति

३४. आलू के चिप्स, शीतल पेय, पिज्जा और बर्गर क्या हमें दैनिक आहार में शामिल करना चाहिए?

क) हां ख) नहीं

ग) पता नहीं घ) शायद हां

उत्तर-ख) नहीं

टिप्पणी- ये सभी खाद्य पदार्थ कूड़ा खाद्य माने जाते हैं।

३५. हमारा स्वार्थ किस पर हावी (भारी पड़ना) होते जा रहा है?

क) शिक्षा पर ख) संबंधों पर

ग) हमारे परमार्थ पर

घ) विलासिता

उत्तर-ग) हमारे परमार्थ (दूसरों का उपकार करने वाला)पर।

© JCERT not to be republished